हेरोल्ड के कमरे के लिए चित्र

हेरोल्ड के कमरे के लिए चित्र

क्रॉकेट जॉनसन
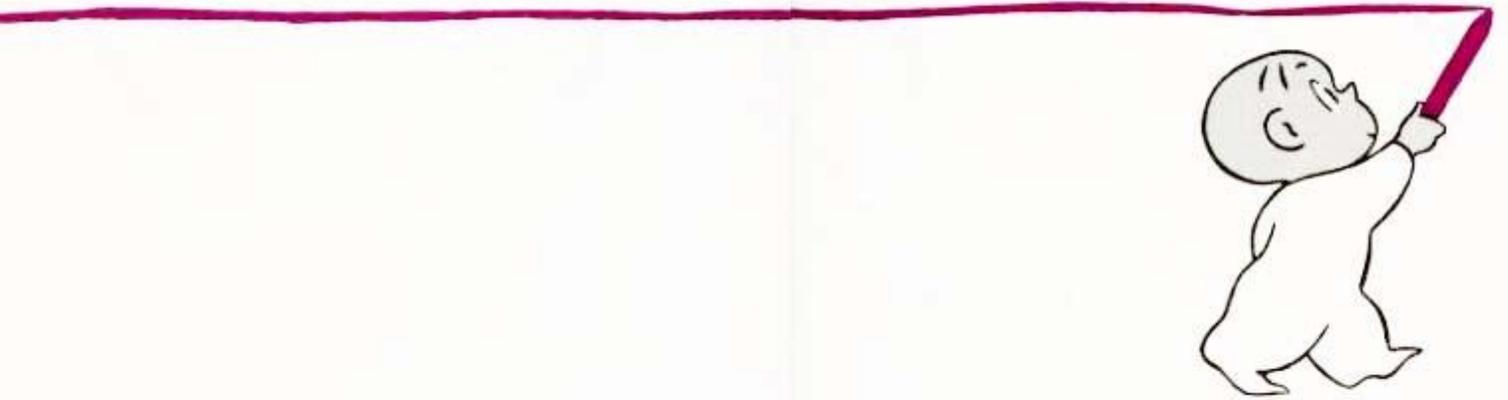
"मुझे अपनी दीवार पर एक
चित्र चाहिए," हेरोल्ड ने कहा.
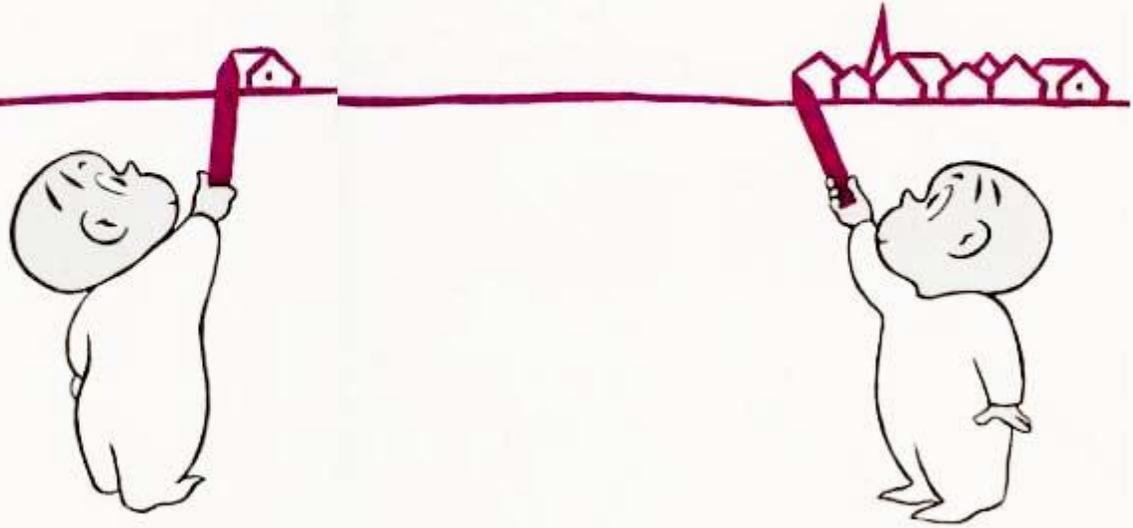
उसने अपने बैंगनी क्रेयॉन
से एक घर बनाया.

कई घरों से मिलकर एक शहर
बना. शहर बहुत दूर था.
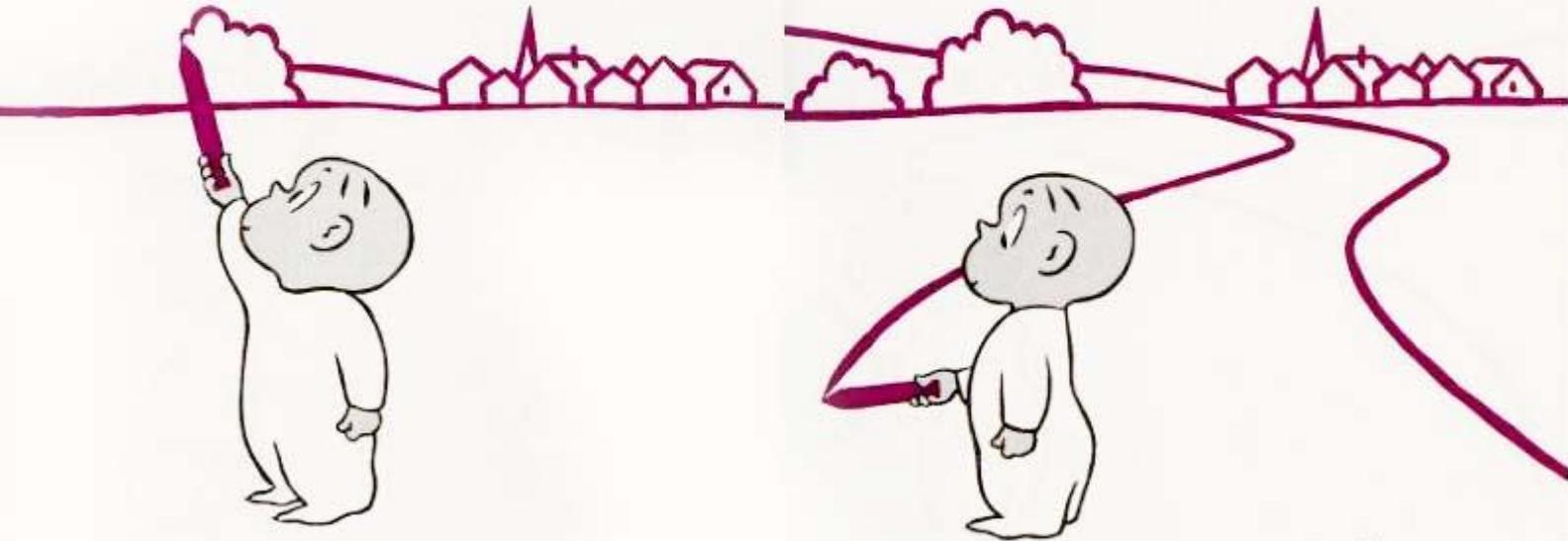
शहर के चारों ओर जंगल
ओर पहाड़ियाँ थीं.

शहर एक लंबी सड़क
के अंत में था.
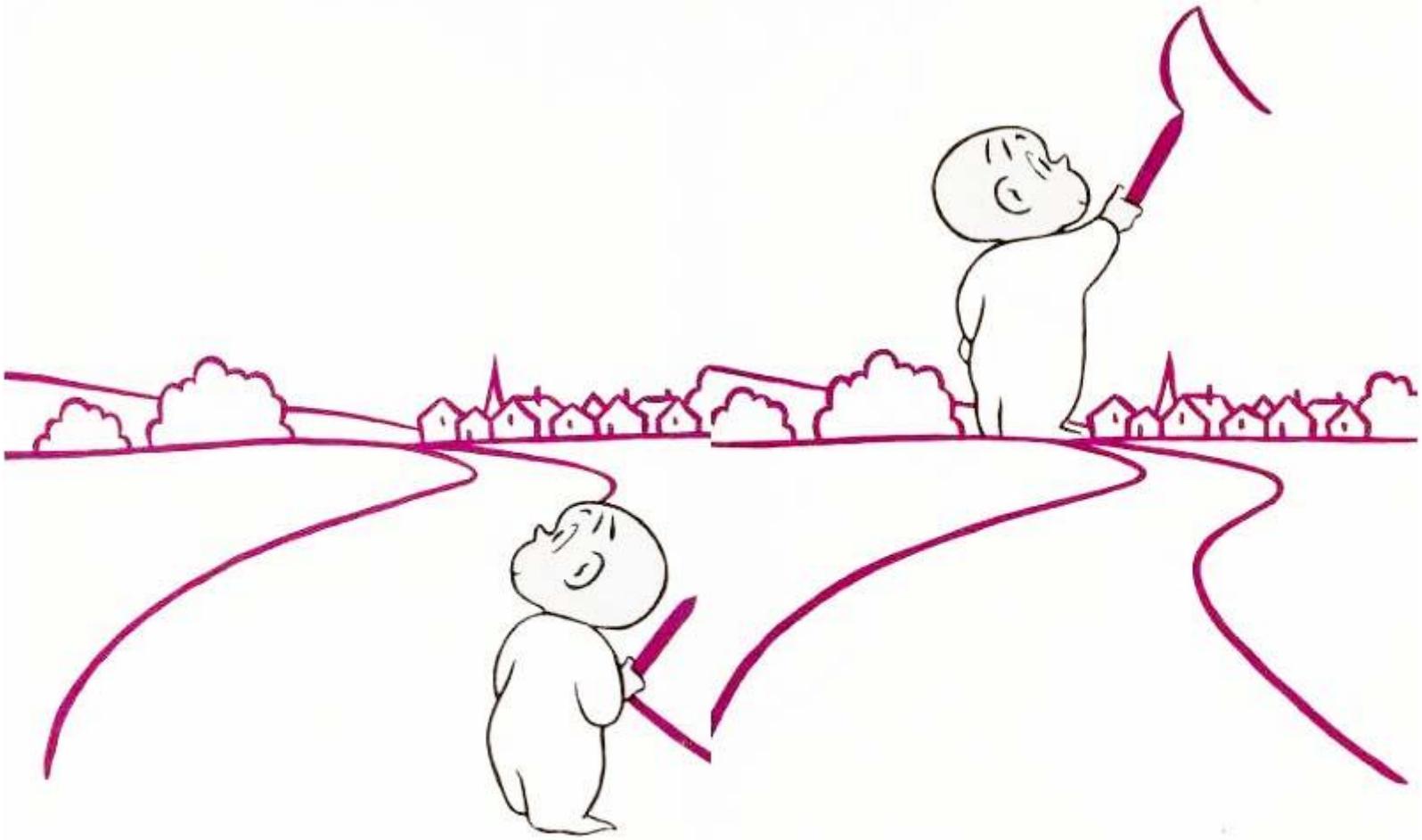
"चांदनी रात में शहर बहुत सुंदर
लगेगा," हेरोल्ड ने कहा.

फिर उसने चित्र में कदम
रखकर एक चंद्रमा खींचा.
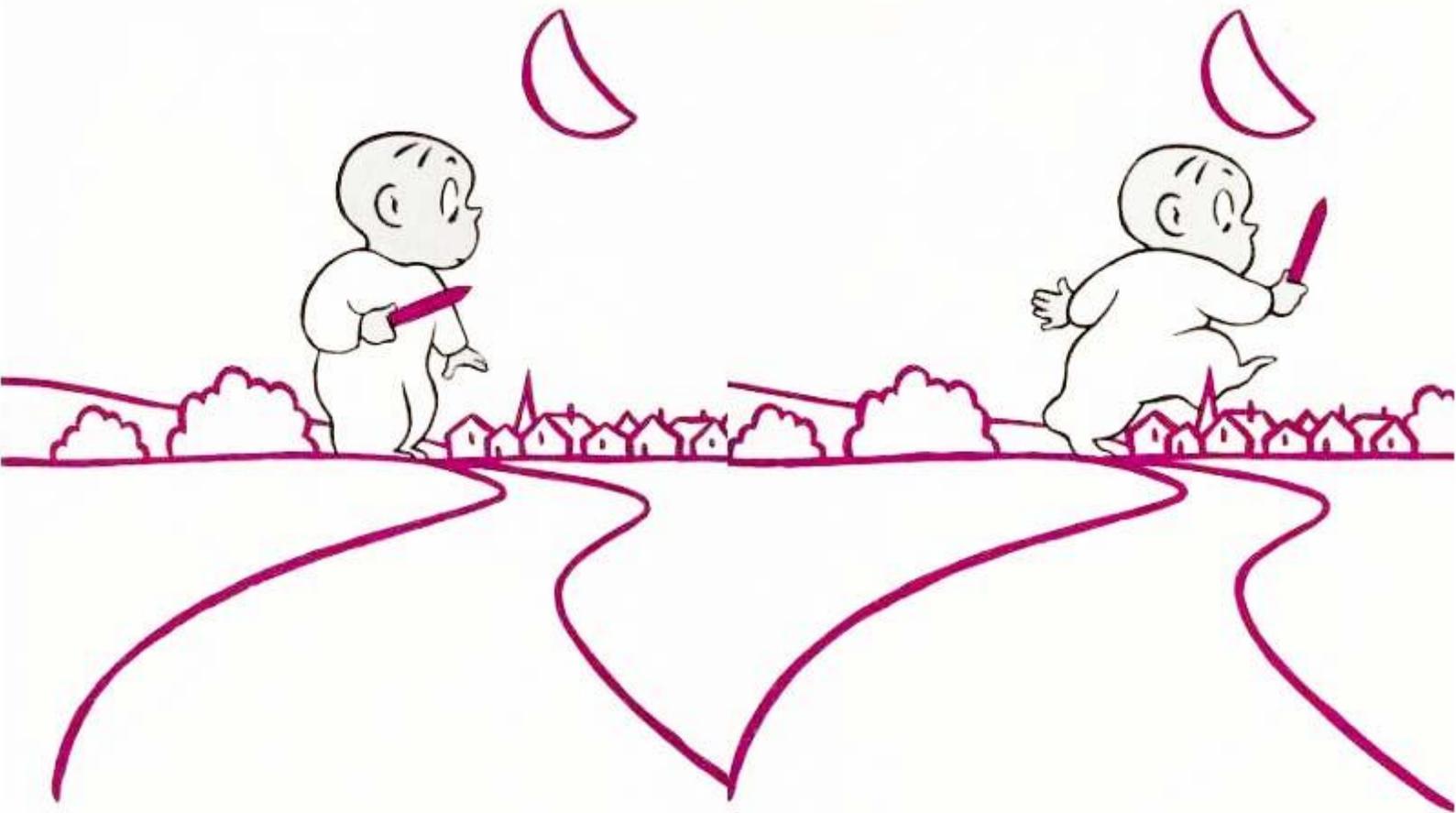
उसने घरों की ओर गौर से देखा.

"अरे, मैं कितना बड़ा राक्षस हूँ!" उसने कहा.

मेरे जैसा बड़ा राक्षस तो शहर के

सभी लोगों को डरा देगा.

हेरोल्ड ने कहा, "गनीमत है कि सब लोग सो रहे थे और किसी ने मुझे नहीं देखा."
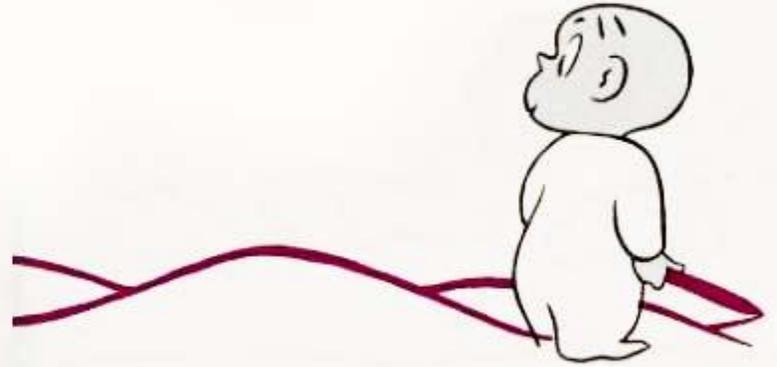
फिर वो पहाड़ियों पर चला. "देखो मैं कितना बड़ा हूँ!" उसने खुद से कहा.

हेरोल्ड का सिर बादलों
के भी ऊपर था.
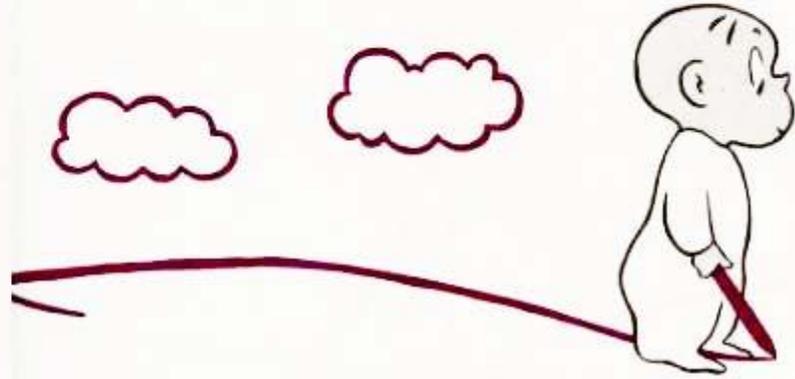
कुछ कदम चलने के बाद वो ज़मीन
के बिल्कुल अंत में पहुंचा.

जहाँ ज़मीन ख़त्म होती है
वहां से पानी शुरू होता है.
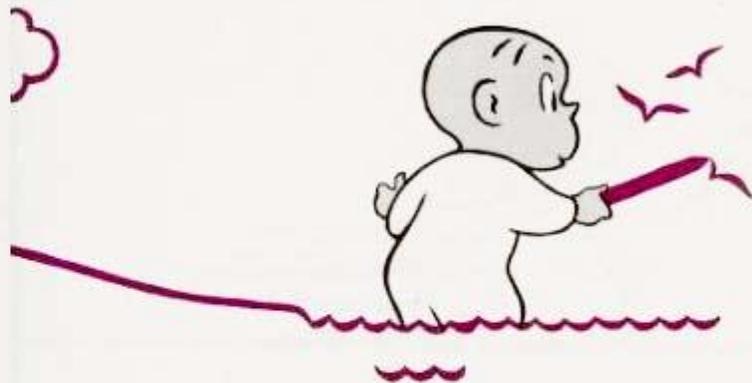
"यह तो समुद्र है." हेरोल्ड ने कहा,
"और यह समुद्री-चीलें हैं."
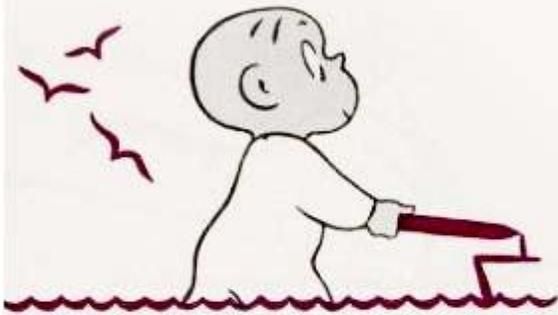
हैरोल्ड बहुत विशाल था. वो
समुद्र में आसानी से चल पाया.
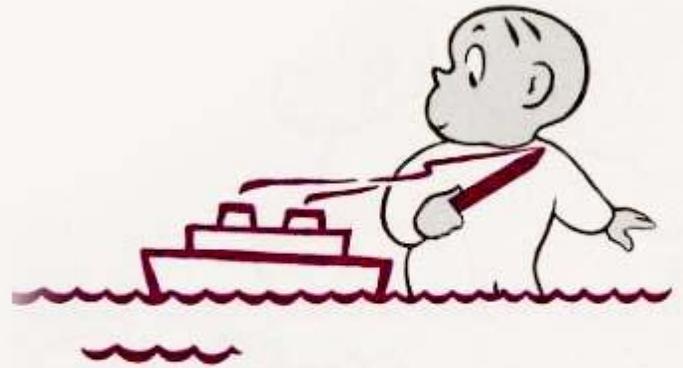
उसके सामने से एक बड़ा जहाज गुज़रा.
वो एक ओशन-लाइनर था.
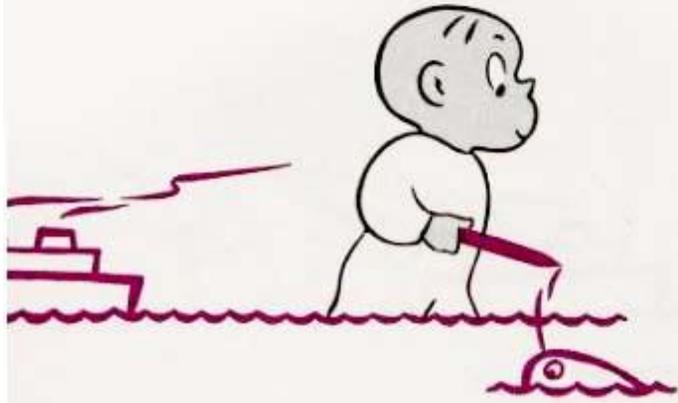
फिर समुद्र की लहरों में से एक बड़ी
व्हेल बाहर निकली. उसने अपनी
नाक से एक पानी का फव्वारा छोड़ा.
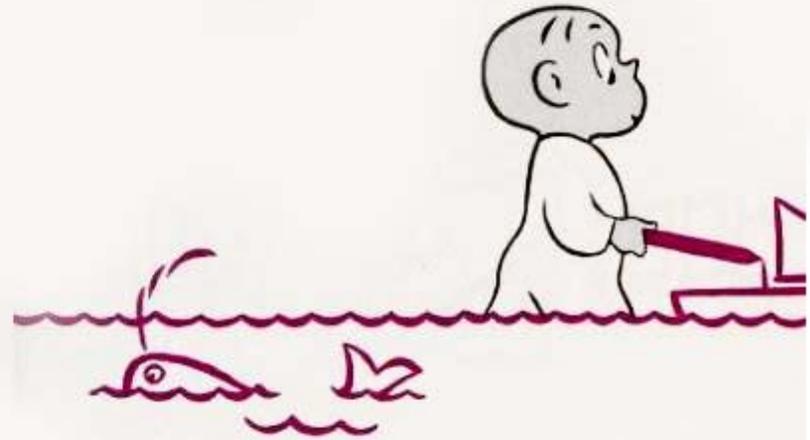
तभी हेरोल्ड के सामने से एक
पुराने किस्म का जहाज निकला.
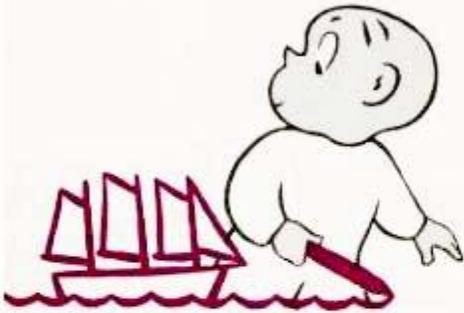
हेरोल्ड आसानी से उसे पार
करके आगे निकल गया.
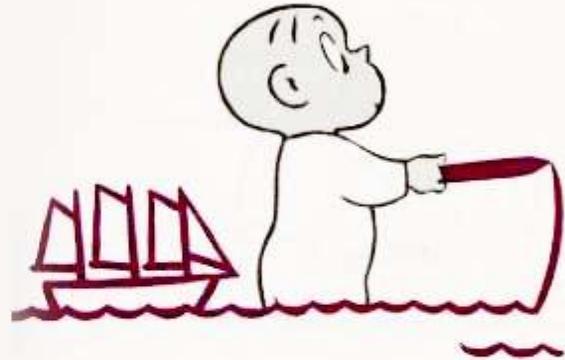
समुद्र जहाँ समाप्त हुआ
वहां एक पहाड़ी खड़ी थी.
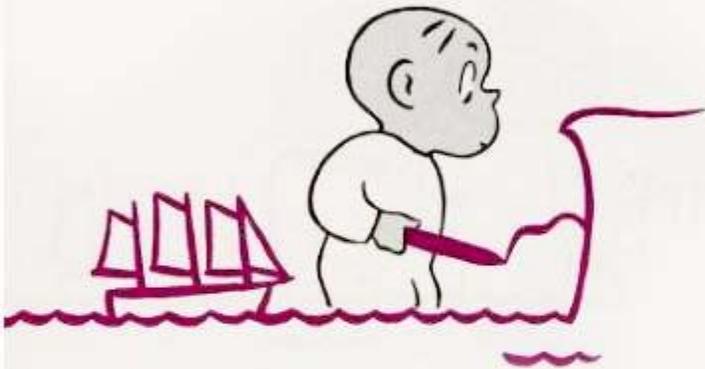
हेरोल्ड को पहाड़ी पर चढ़ने के
लिए कुछ बड़े पत्थर चाहिए थे.
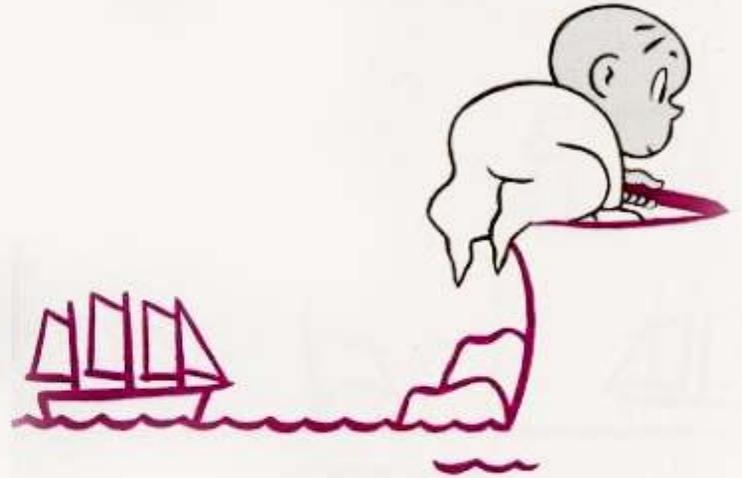
फिर वो समुद्र से निकलकर
पहाड़ी पर चढ़ा.
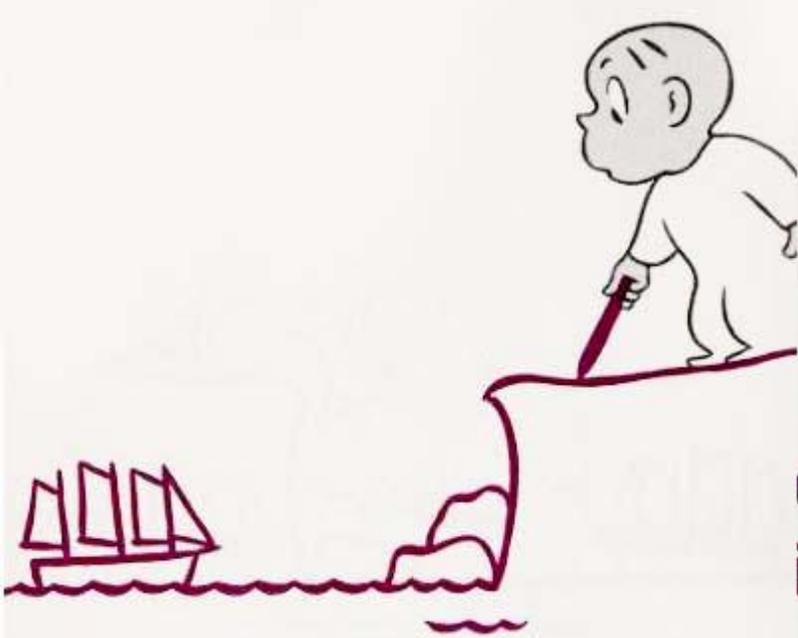
तब हेरोल्ड ने देखा कि जहाज चट्टानों के बहुत नज़दीक था और टक्कर की सम्भावना थी.
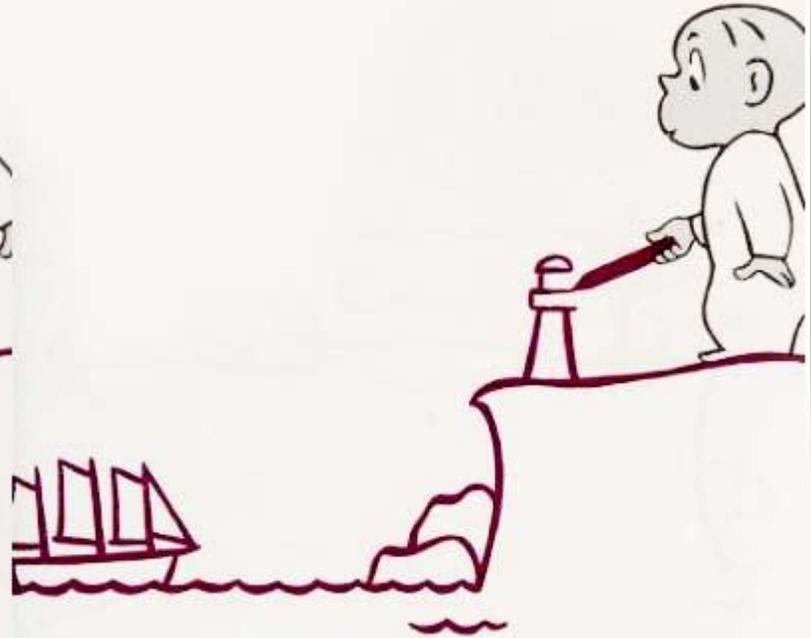
उसने नाविकों को चेतावनी देने के तुरंत लिए एक लाइट-हाउस बनाया.
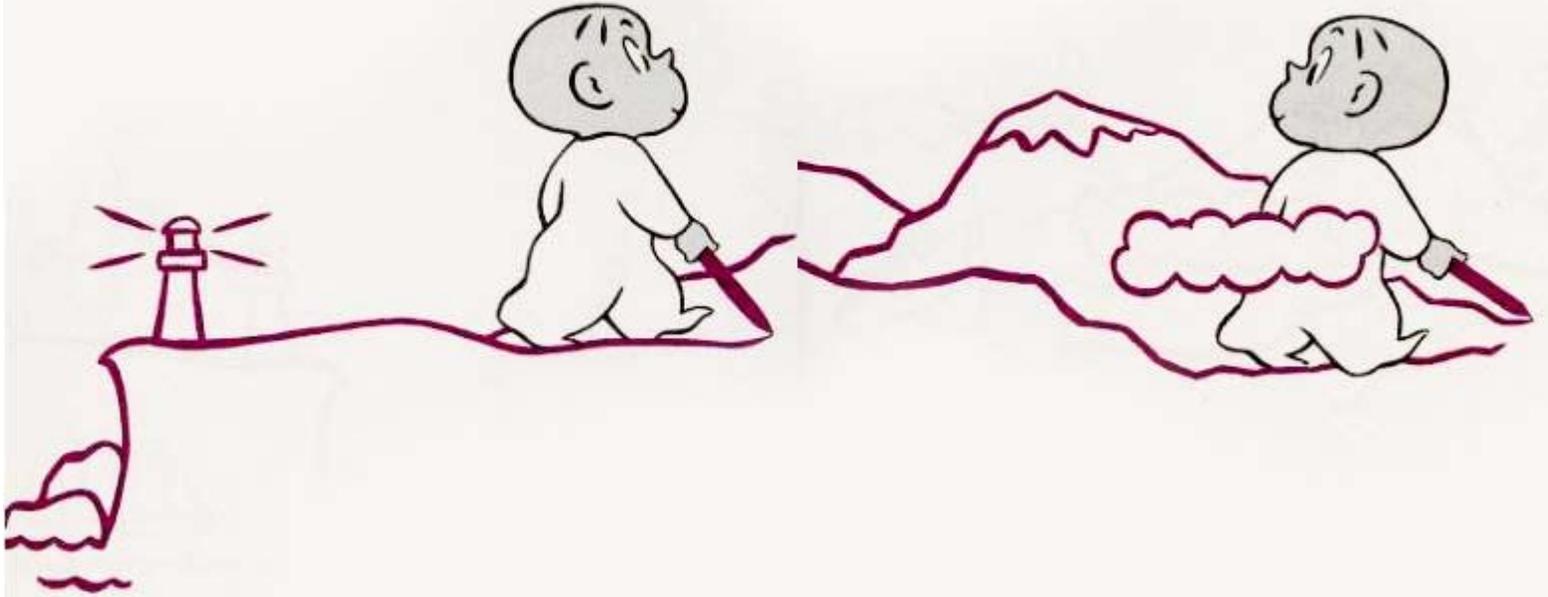
फिर हेरोल्ड ऊंची
पहाड़ियों पर चढ़ा.

हैरोल्ड सबसे ऊँचे पहाड़
से भी अधिक ऊंचा था.
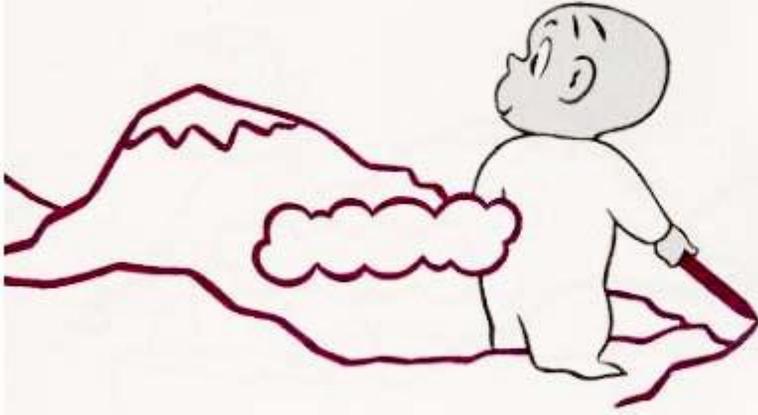
"यहाँ पर मैं हरेक चीज़ से
ऊँचा हूँ!" उसने कहा.
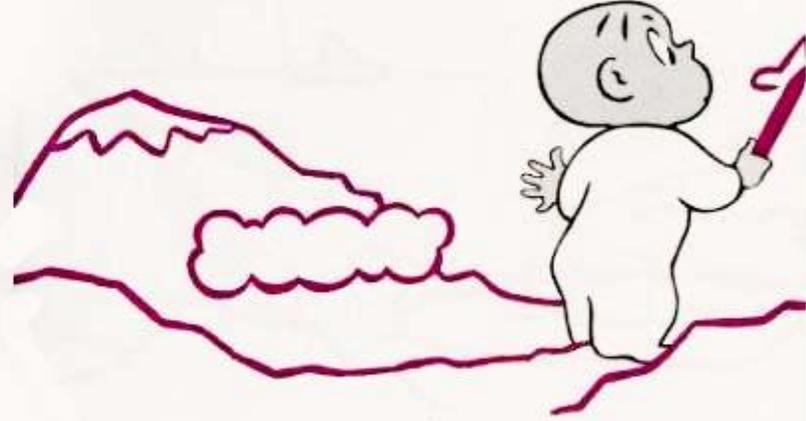
फिर, अचानक, उसने हवाई
जहाज के बारे में सोचा.
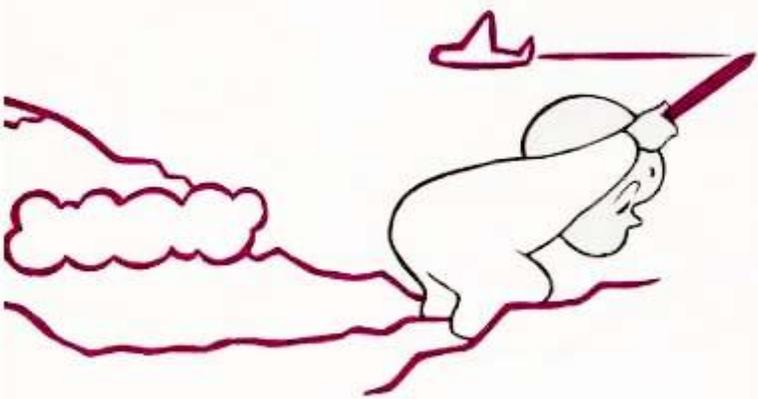
हेरोल्ड ने ऐन मौके पर
अपना सिर हटाया.
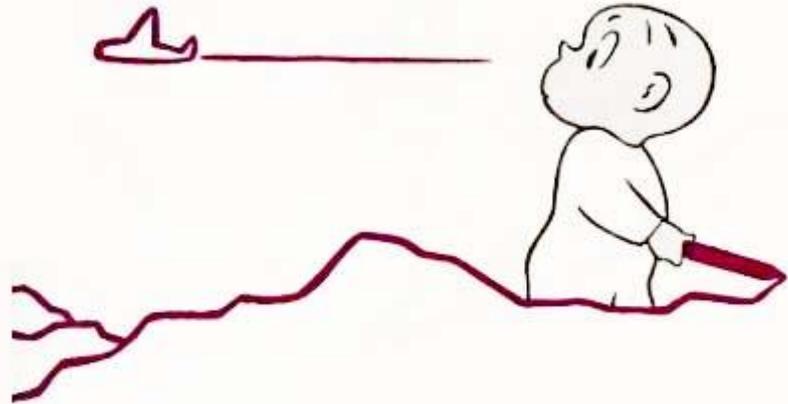
एक बड़ा जेट विमान,
बहुत तेज़ी से उड़ता हुआ
उसके पास से गुज़रा.
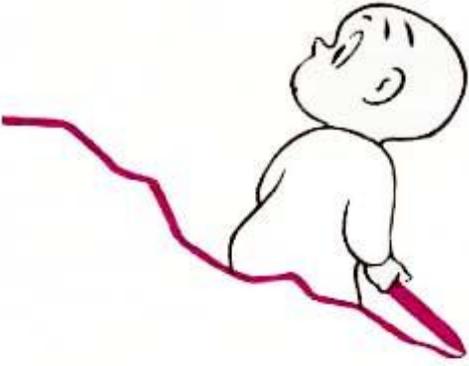
उससे एक बहुत बुरा
हादसा हो सकता था.
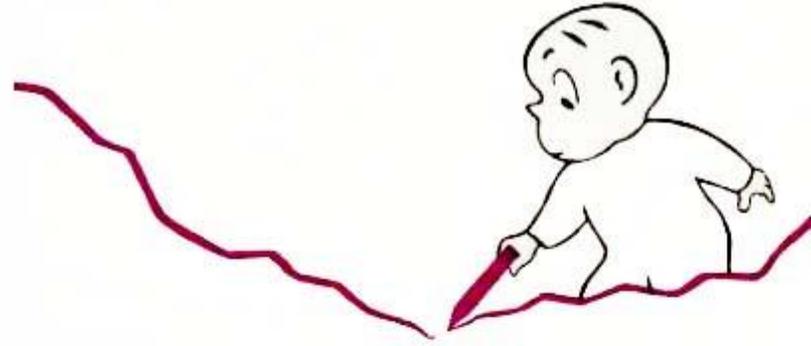
पहाड़ों में हैरोल्ड को
एक घाटी दिखी.
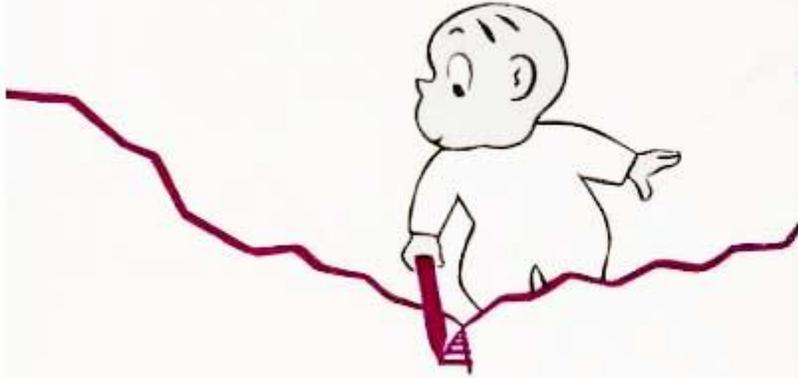
रेलमार्ग बनाने के लिए यह
एक अच्छी जगह होगी.
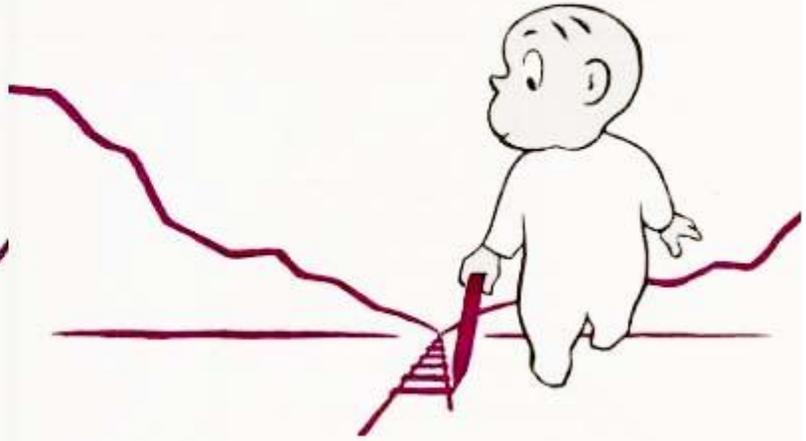
वो रास्ता एक लंबे समतल
मैदान में जाकर निकला.

हेरोल्ड ने पटरियों के पास कुछ
पक्षी और फूल बनाए.

"लोग रेलगाड़ी की खिड़की के बाहर सुन्दर
चीज़ें देखना पसंद करते हैं," उसने कहा.
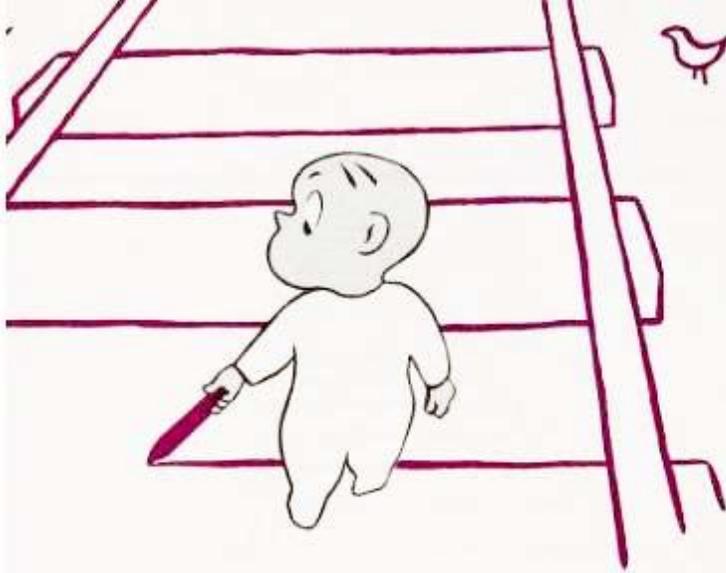
हेरोल्ड, रेल की पटरी, पक्षी
और फूल बनाता चला गया.
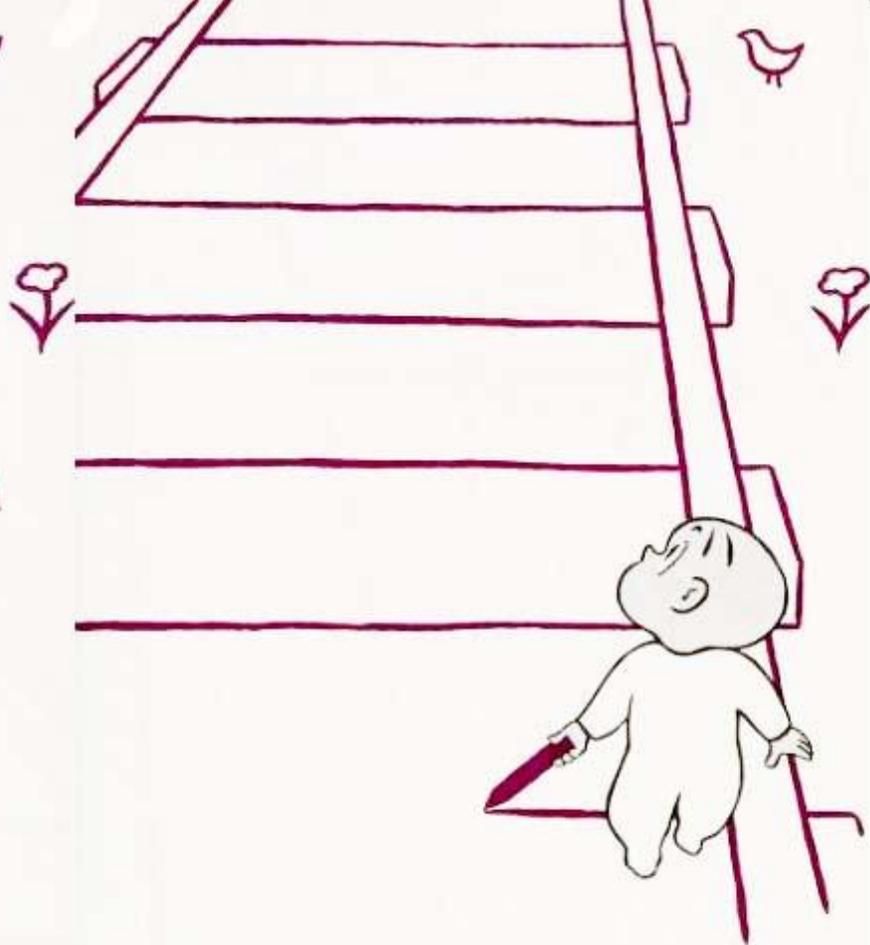
वो बार-बार देखता कि कहीं कोई
रेलगाड़ी तो नहीं आ रही थी.
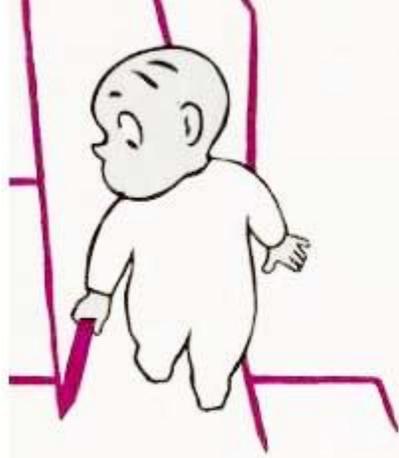
एक छोटे से लड़के के लिए
वो एक बहुत बड़ा काम था.
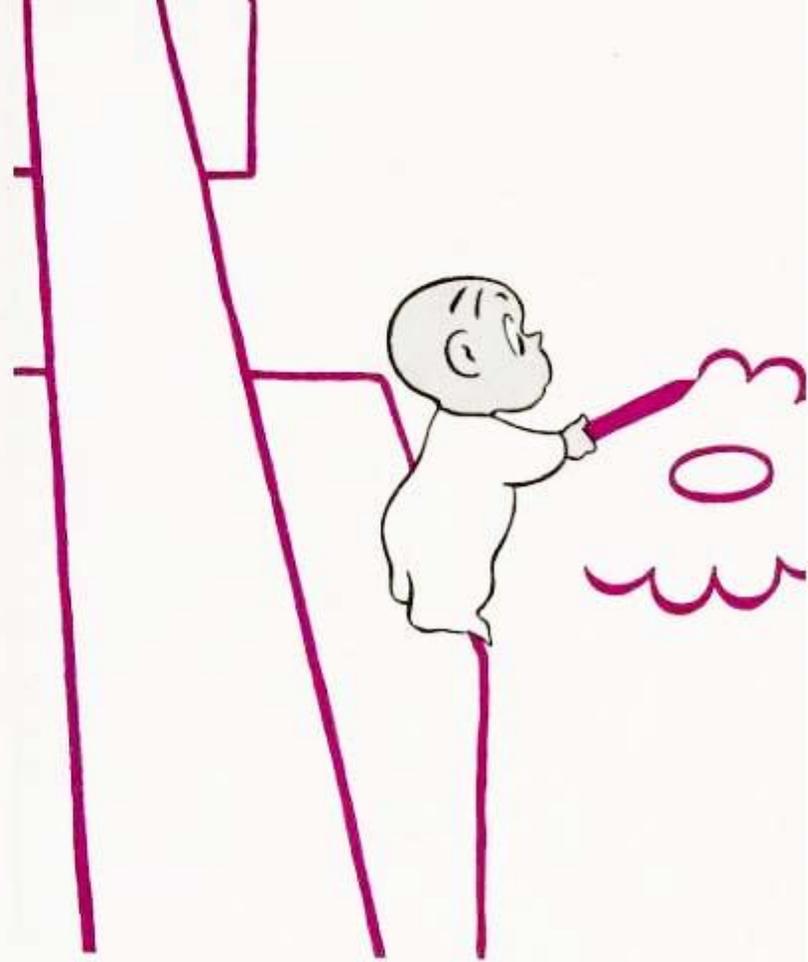
फिर अचानक उसने देखा कि
वो बहुत छोटा हो गया था.
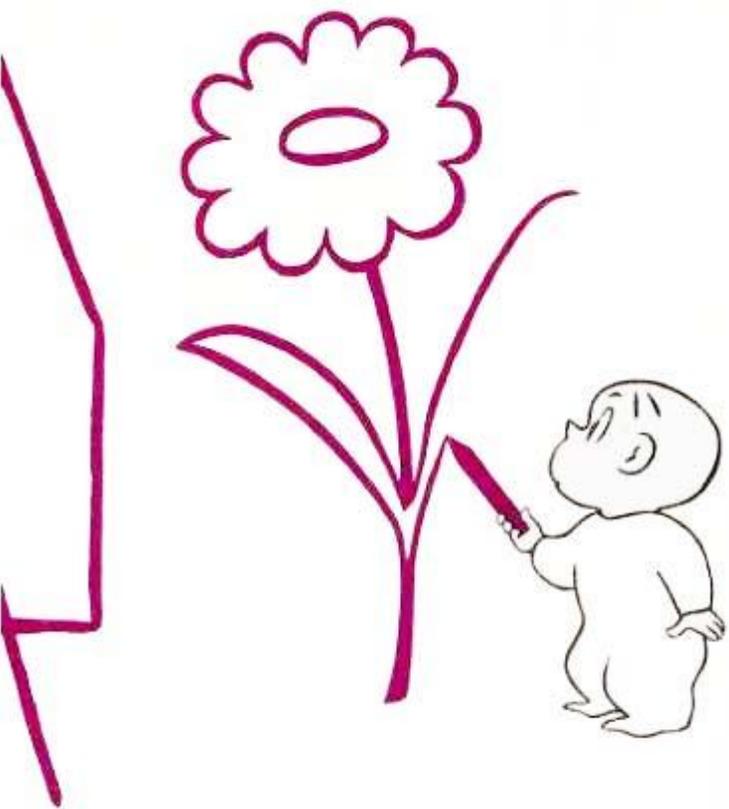
अब वो फूल के आकार
का भी आधा था!
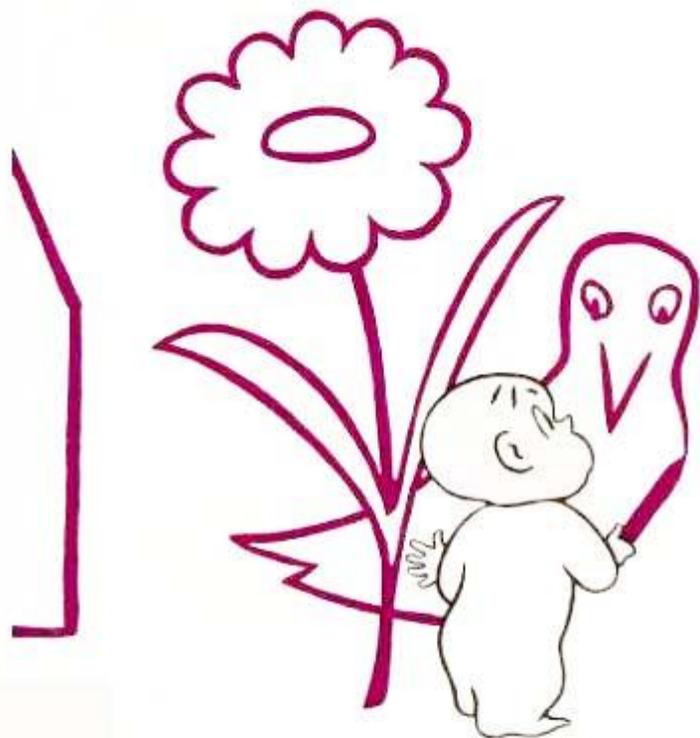
वह पक्षी से भी छोटा था!
अब वो घर वापिस कैसे पहुंचेगा?

और, तभी वो एक चूहे
के बिल में गिर गया.
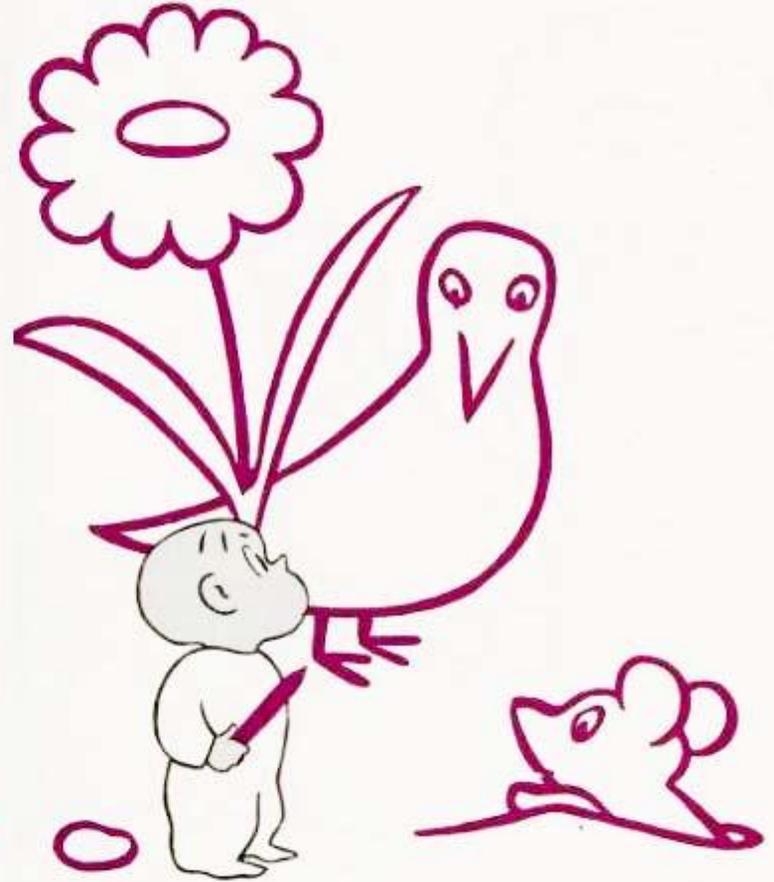
"माफ़ करें," उसने चूहे से कहा.
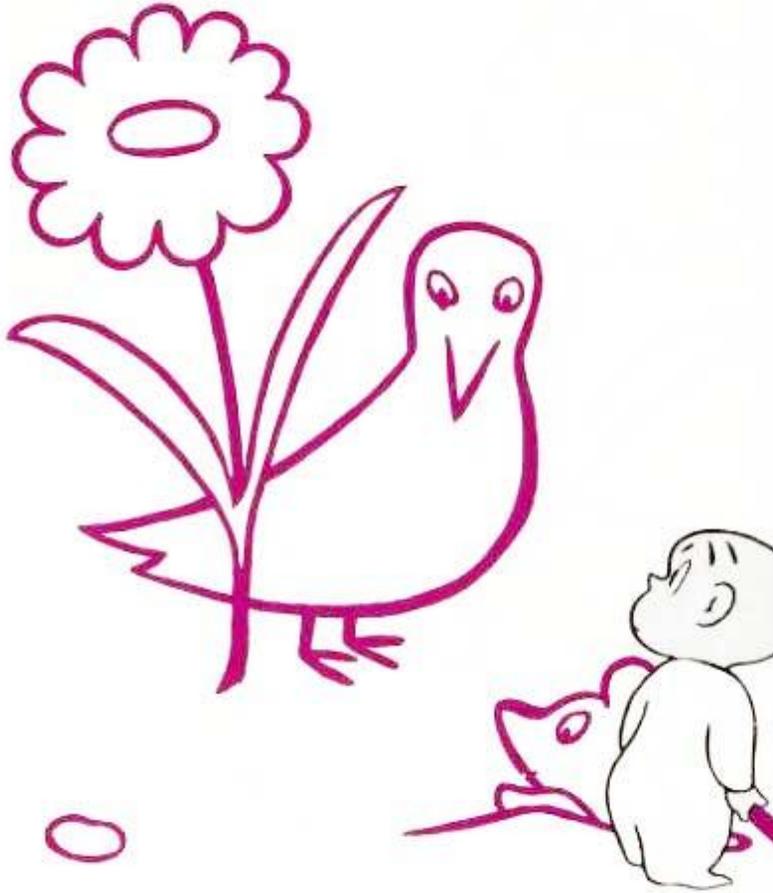
फिर हेरोल्ड सोचने के लिए
एक कंकड़ पर बैठ गया.
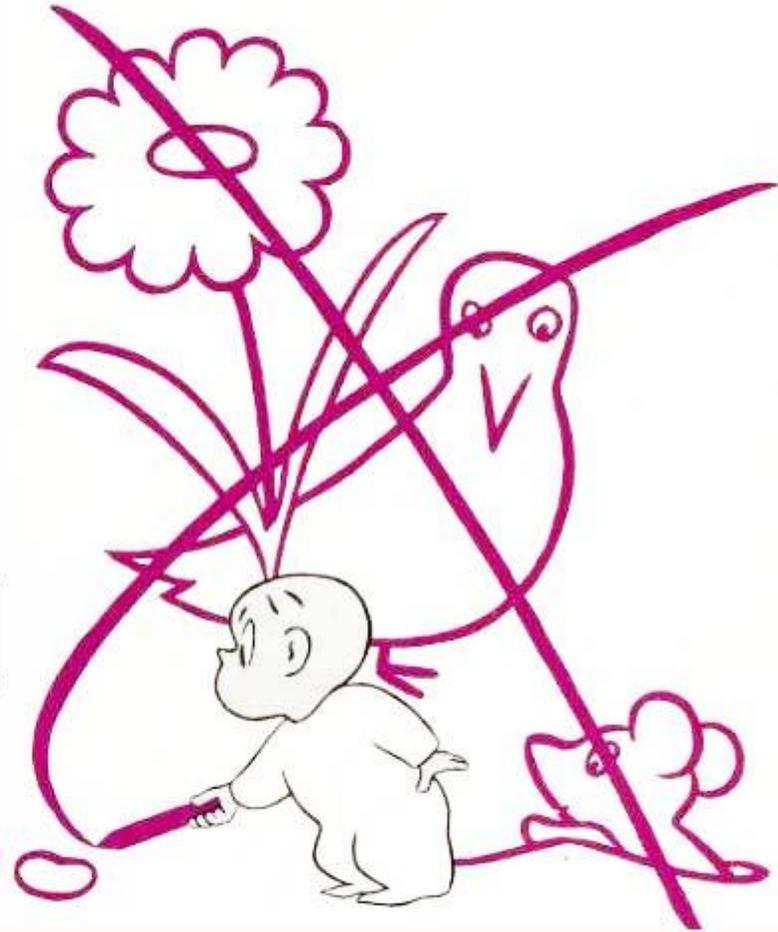
एक-दो मिनट के बाद
वह फिर उठ खड़ा हुआ.
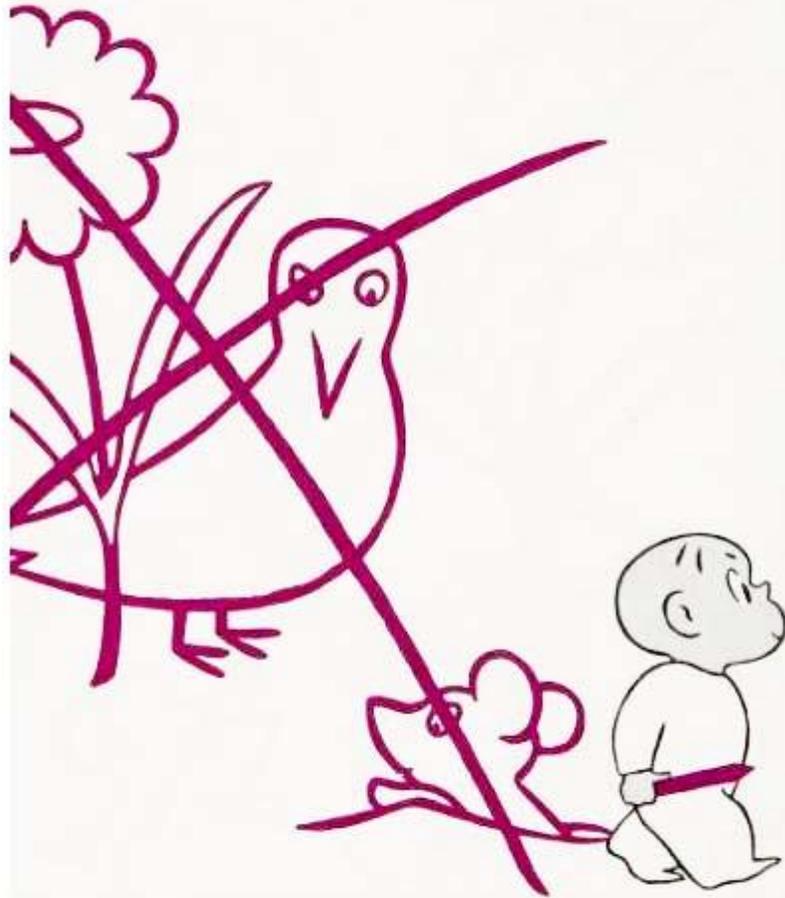
फिर उसने अपने क्रेयॉन से चित्र पर कट्टम-काट का चिन्ह लगाया.
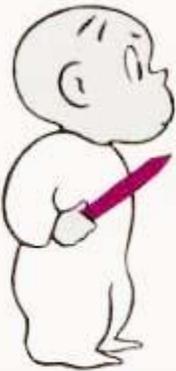
"यह तो सिर्फ एक चित्र है!" उसने खुद से कहा.
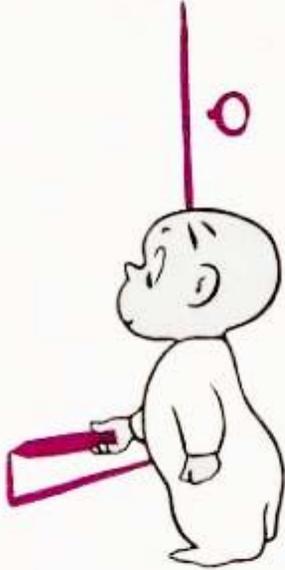
"मैं न तो बड़ा हूं और न ही छोटा हूं.
मैं बिल्कुल अपने सामान्य आकार का हूं!"
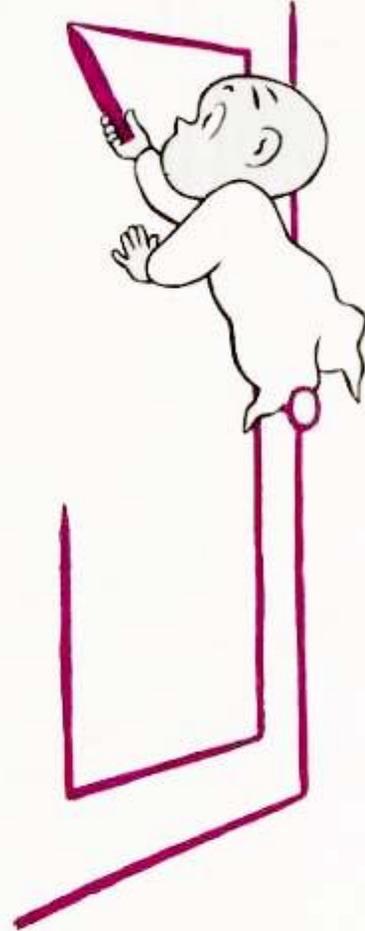
लेकिन इस बारे में वो
निश्चित कैसे हो सकता था?
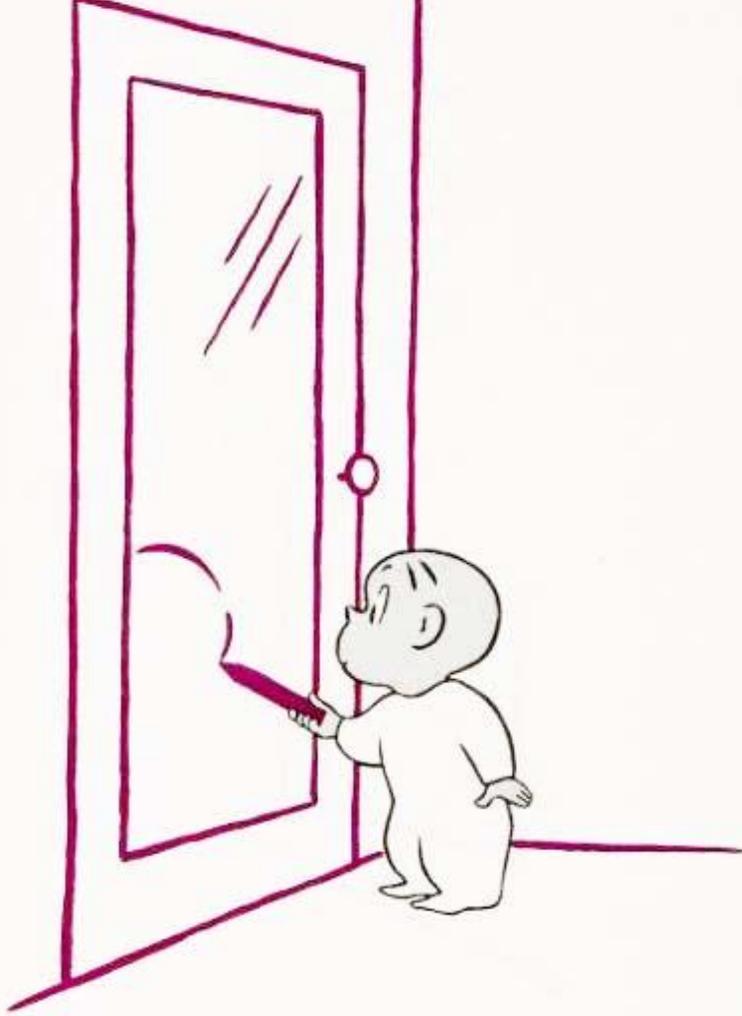
घर पर वो हमेशा अपने सामान्य
आकार का ही होता था.

फिर उसने अपने कमरे
का दरवाजा खींचा.
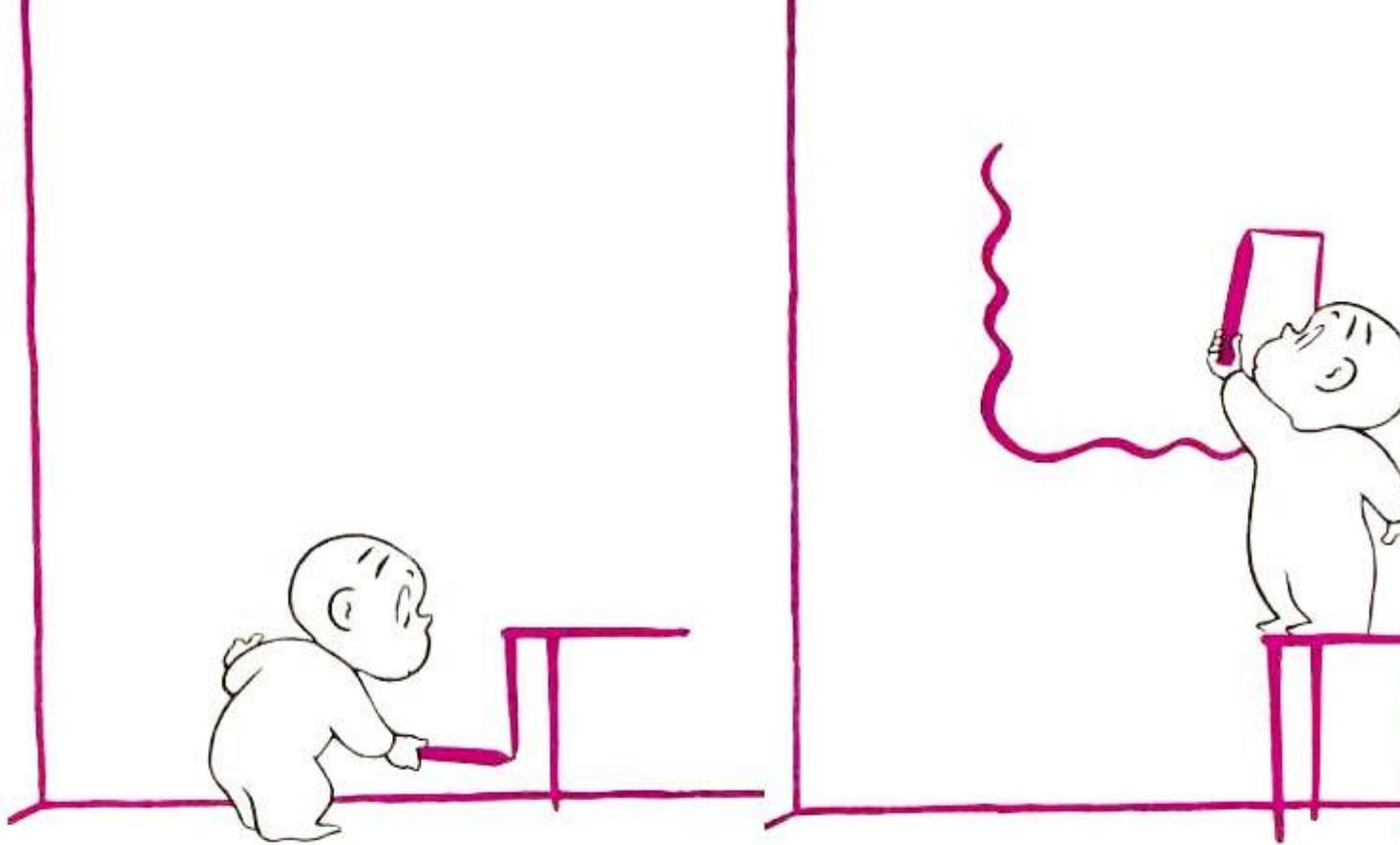
दरवाजे के पीछे एक लंबा दर्पण था.

लेकिन दीवार पर लटकाने के लिए
उसके पास कोई चित्र नहीं था.
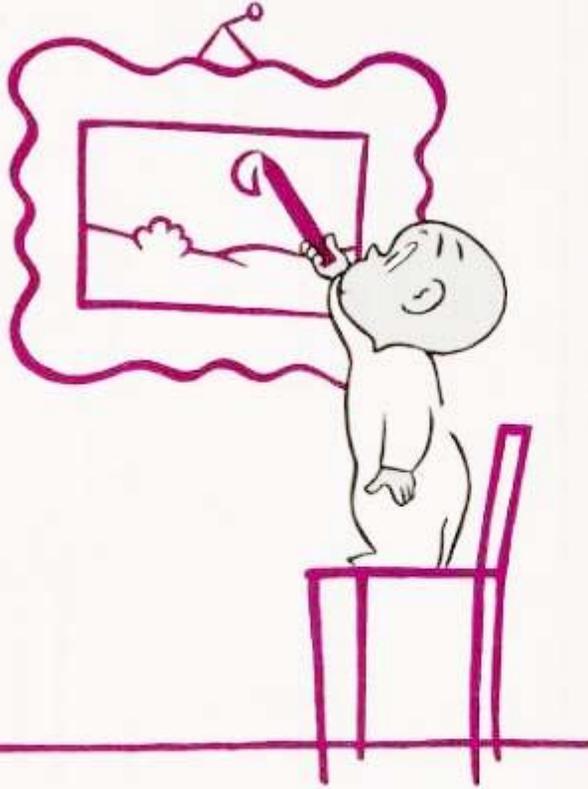
इसलिए, बिस्तर पर लेटने से पहले
हेरोल्ड ने दीवार पर एक चित्र बनाया.

समाप्त